



# पराई चूत चोदने का मौका आखिर मुझे मिल ही गया-3

“अनजान मैडम और मैं मुख मैथुन कर चुके थे। मैं भी कभी उनकी चूत पर हाथ फेरता, कभी चूत में उंगली करता, वे कभी मेरे लंड से खेलतीं.. तो कभी मेरे निप्पल सहला देतीं। ...”

Story By: Raju shah (rajushah383001)

Posted: Wednesday, March 1st, 2017

Categories: [कोई मिल गया](#)

Online version: [पराई चूत चोदने का मौका आखिर मुझे मिल ही गया-3](#)

# पराई चूत चोदने का मौका आखिर मुझे मिल ही गया-3

अब तक आपने पढ़ा..

मैडम के साथ मेरा मुख मैथुन का दौर पूरा हो चुका था और अब हम दोनों लेटे हुए थे। अब आगे..

हम दोनों कुछ शांत पड़े थे। कुछ ही पलों बाद वो फिर से हरकत में आ गई और अब वे कभी मेरे लंड से खेलतीं.. तो कभी मेरी छाती पर हाथ फेरने लगतीं। साथ ही मेरे निप्पलों को सहला देतीं।

इसी तरह मैं भी कभी उनकी चूत पर हाथ फेरता, कभी चूत में उंगली करता, कभी उनके स्तनों से कभी उनकी निप्पलों से खेलने लगता।

अब जाकर हम दोनों एक-दूसरे से बात करने लगे। उन्होंने अपना नाम सुजाता बताया.. वो भी गुजरात के एक बड़े से शहर से अपने हसबैंड के साथ आई थीं। उनके हसबैंड किसी बिजनेस ट्रिप पर थे और आज वो किसी बिजनेस मीटिंग में गए थे। वो अकेले होटल में बोर हो रही थीं और उन्होंने मुझे रिसेप्शन पर देखा था।

वे वहीं से मेरा कमरा नंबर पता करके आई थीं।

इसके बाद तो आपको पता ही है.. वो आते ही बाथरूम में चली गई थीं और इसके बाद जो भी हुआ उसमें हमने ज्यादा बात ही नहीं की थी।

मैंने भी उन्हें अपने बारे में सब बता दिया। खास बात ये कि हमने एक-दूसरे से अभी तक

कोई पर्सनल बात नहीं की थी। जैसे कि आपने सेक्स के लिए मुझे क्यों पसंद किया? या फिर हम एक-दूसरे की सेक्स लाइफ से संतुष्ट हैं या नहीं.. इत्यादि, क्योंकि ना तो ये मेरे लिए जरूरी था और ना ही मुझे उनके बर्ताव से लगा कि उनके लिए भी जरूरी हो, और तो और हमने एक-दूसरे के नाम भी अभी ही जाने थे।

इसी तरह एक-दूसरे से बातें करते हुए और एक-दूसरे के अंगों से खेलते हुए हम दोनों एक बार फिर गर्म हो गए और फिर से कुछ देर के लिए हम 69 पोजीशन में आ गए।

कुछ देर बाद वो 69 में से अलग होते हुए मेरे ऊपर आ गई और मेरे दोनों तरफ अपने पैर करके मेरे लंड के ऊपर बैठने लगीं, फिर मेरा लंड अपने हाथ में लेकर उसे अपने भगांकुर और चुत के ऊपर मसलने लगीं।

कुछ देर तक ऐसे करने के बाद वो धीरे-धीरे मेरे लंड को अपनी चुत के अन्दर लेने लगीं उम्ह... अहह... हय... याह... और मेरा लंड भी उनकी चुत में बड़े प्यार और आराम से चला गया।

इसका कारण ये है कि एक तो उनकी चुत और मेरा लंड दोनों ही नॉर्मल हैं और ऊपर से उनकी चुत गीली हो रही थी, तो इससे हम दोनों को कोई परेशानी नहीं हुई।

मेरा लंड चुत में लेने के बाद वो कुछ देर ऐसे ही बैठी रहीं और मेरे छाती पे हाथ फेरती रहीं।

इधर मैं भी उनकी जाँघों, कमर और स्तनों से खेलने लगा।

फिर धीरे-धीरे उन्होंने अपनी कमर को गोल-गोल घुमाना चालू किया और इस बीच वो ऊपर नीचे भी होने लगीं.. जिससे मुझे बड़ा मजा आ रहा था।

इस तरह हमारा चुदाई का पहला दौर चालू हुआ।

थोड़ी देर बाद वो धीरे-धीरे मेरे लंड पर कूदने लगीं। कभी एकदम से स्पीड बढ़ा देती तो कभी आराम से करतीं। कभी मुझ पर पूरा झुक कर मुझे किस करतीं। कभी मेरे निप्पलों को मुँह में लेकर चूसतीं-चुभलातीं.. कभी हल्का सा काट लेतीं, तो कभी जीभ घुमाकर प्यार करने लगतीं।

वो इतना अधिक कामुक होते हुए कभी पूरा ऊपर की ओर उठ जातीं, जिससे मेरा लंड उनकी चूत से पूरा बाहर आ जाता। तभी वो फिर झट से नीचे बैठ जातीं.. जिससे एक ही झटके में पूरा लंड उनकी चूत में समा जाता।

कभी वो अपनी चूत को इतना अधिक कस लेतीं.. जिससे मेरे लंड में एक खिंचाव सा पैदा हो जाता। फिर धीरे-धीरे करके चूत की पकड़ ढीली करतीं। उनके ऐसा करने से मुझे बड़ा आनन्द आ रहा था।

इसी दौरान में भी कभी-कभी नीचे से कभी हल्के.. तो कभी जोरों से झटके देता। इस तरह ऊपर से उनके झटके और नीचे से मेरे झटकों से हम दोनों को बड़ा मज़ा आ रहा था।

इस दौरान मेरे हाथ भी खाली नहीं पड़े थे, वो कभी उनके कूल्हों पर फिरते.. कभी उन्हें दबाते.. कभी चुटकी काटते। मेरे हाथ ऐसा ही खेल उनके स्तनों के साथ भी कर रहे थे.. जिससे उनको बड़ा मज़ा आ रहा था।

इसी तरह 5-10 मिनट करने से उनकी चूत ने धीरे-धीरे पानी छोड़ना शुरू कर दिया। फिर मैं भी उनको बाँहों में लिए हुए, लंड उनकी चूत में से बाहर ना निकले.. इसका ध्यान रखते हुए बैठ गया। अब हम दोनों बैठे-बैठे ही चुदाई का आनन्द लेने लगे। मैं उनको चोदते हुए उनके स्तनों को चूस रहा था और हाथों से दबा भी रहा था। वो कभी मेरे बालों में हाथ घुमाती हुई मज़ा ले रही थीं। वो कभी मेरी पीठ पर सहलाते हुए मुझे अपनी चूचियां चूसने के लिए दबा देती थीं।

इसी तरह कुछ मिनट संसर्ग करने के बाद मुझे लगा कि मेरा भी पानी निकलने वाला है.. तो मैंने उन्हें इशारे से बताया। उन्होंने मुझे हल्का सा धक्का दे कर बिस्तर पर गिरा दिया और मेरे ऊपर जोरों से ऊपर-नीचे होने लगीं।

इस बीच मेरे दोनों हाथ उनकी छातियों को मसल रहे थे।

कुछ ही देर में उनकी चुत ने एक तेज धार के साथ पानी छोड़ दिया और इसी के साथ मेरे लंड ने भी उनके अन्दर एक पिचकारी मार दी।

कुछ पलों तक मेरे लंड से हल्की हल्की पिचकारी निकलती रही, इस दौरान वो मेरे ऊपर शांति से बैठी रहीं।

कुछ देर इसी तरह रहने के बाद वो मेरे ऊपर से उठ खड़ी हुई.. तो उनकी चुत से हम दोनों के काम रस की बूँदें मेरे लंड पर टपकने लगीं।

वो वहाँ से सीधी बाथरूम की ओर गईं और अपने आपको साफ करने लगीं, मैं इधर बिस्तर पर पड़ा अलसाता रहा, उन्होंने खुद को साफ करके मुझे अन्दर बुलाया और मेरे लंड को भी पानी से धोकर साफ किया और तौलिये से पोंछ कर अपने हाथों में मेरा लंड पकड़े हुए मुझे बाहर ले आई।

फिर हम दोनों बिस्तर पर एक-दूसरे की बाँहों में पड़े रहे और मैंने उन्हें अपने बारे में एक-एक चीज बता दी।

इसी दौरान हम दोनों एक-दूसरे के अंगों के साथ खेलते हुए एक-दूसरे को दूसरे राउंड के लिए तैयार करने लगे।

मुझसे ज्यादा वो दूसरे राउंड के लिए उतावली हो रही थीं.. क्योंकि हमारे पास समय की कमी थी।

मैंने उनको बताया भी कि मैं दो बार झड़ चुका हूँ.. इसलिए मुझे तैयार होने में कुछ टाइम लगेगा। लेकिन उन्होंने मेरी एक ना सुनी और मेरे ऊपर आकर मेरे लंड को मुँह में ले लिया और देखते ही देखते उनके मुँह की नमी-गर्मी और उनकी जीभ के कमाल से मेरा लंड फिर से उठ खड़ा हुआ।

अबकी बार वो नीचे लेट गई और अपनी टांगें उठा कर मेरे लंड को न्योता देने लगीं। मैंने उन्हें गरम करने के लिए उनकी चुत को चाटना चाहा तो उन्होंने मुझे घड़ी दिखा कर समझाते हुए जल्दी करने को कहा।

फिर भी मैंने उनकी चुत पर एक हल्का सा चुंबन लेते हुए ऊपर आकर अपना लंड हाथ से पकड़ कर उनकी चुत और भागंकुर पर रगड़ने लगा। जिससे उनके मुँह से सिसकारियाँ निकलने लगीं और वो नीचे से अपने कूल्हे उठा कर मेरे लंड को अपनी चुत में समा लेने का प्रयास करने लगीं।

हालांकि इसमें उनको असफलता मिलने से उन्होंने मुझे गाली देते हुए कहा- चूतिया, क्यों तड़पा रहा है मेरी रानो को.. और समय का भी खयाल कर साले..

उनके मुँह से पहली बार गाली सुनके में चौंक गया.. पर अच्छा भी लगा।

मैंने भी उनकी गाली का जवाब देते हुए कहा- ले बहन की लौड़ी, मेरे लंड को संभाल और अपनी रानो को बचा!

मैंने एक जोरदार धक्का देते हुए पूरा का पूरा लंड उनकी चुत में उतार दिया।

फिर मैंने भी पूरी ताकत लगा कर शॉट पे शॉट मारना चालू कर दिया, ऊपर से मैं धक्का देता.. नीचे से वो धक्का लगातीं।

इस तरह चुदाई करते हुए हमें 15-20 मिनट हुए होंगे कि उन्होंने अपना पानी छोड़ दिया। लेकिन मेरा इतनी जल्दी कहाँ होने वाला था। उनके पानी छोड़ते ही वो ढीली पड़ गई और मैं भी अब हल्के-हल्के धक्के लगाने लगा।

फिर कुछ मिनट इसी पोजीशन में रहने से उनकी टाँगों में दर्द होने लगा, तो मैंने पोजीशन बदलते हुए उन्हें बिस्तर से नीचे खड़ा कर दिया। उनको घोड़ी की स्टाइल में खड़ा कर दिया। अब मैं उन्हें पीछे से ठोकने लगा।

इस तरह उन्हें चोदते हुए मैं उनके कूल्हों पर हल्की सी चपत लगा देता, कभी उन्हें दबा देता, तो कभी उनके ऊपर झुक कर आगे हाथ बढ़ा कर उनके स्तनों को दबा या सहला देता था।

फिर मैंने पोजीशन बदल कर उन्हें आधा बिस्तर पर लेटा दिया और उनकी कमर का हिस्सा बिस्तर के किनारे रख कर.. पाँव उठा कर उन्हें चोदने लगा।

इसी तरह पोजीशन बदल-बदल कर चुदाई में कभी वो ऊपर आ जातीं.. तो कभी मैं उन पर चढ़ जाता। कभी डाँगी स्टाइल में चुदाई.. तो कभी दीवार के सहारे टिक कर पेलम-पाली होने लगती। कभी खड़े-खड़े चूत को रगड़ देता.. तो कभी बैठ कर चुदाई होती।

इस बार बड़ी देर तक हमारी चुदाई चलती रही। इस बीच उन्होंने अनगिनत बार अपना पानी छोड़ा होगा.. लेकिन पता नहीं क्यों मेरा पानी निकलने का नाम नहीं ले रहा था।

अब हम दोनों थक गए थे और मेरे लंड में और उनकी चुत में भी दर्द होने लगा था।

तो मैंने सोचा उनकी गांड मार कर अपना पानी निकालूँ.. लेकिन वो इसके लिए तैयार नहीं हुई।

उन्होंने मुझसे कहा- मैं अपने मुँह से और हाथों से तुम्हारा पानी निकाल देती हूँ।

वैसे मैं भी थका हुआ था तो सोचा चलो यही ठीक रहेगा। उन्होंने मुझे बिस्तर पर बैठा दिया और खुद मेरे पैरों के बीच आकर मेरा लंड मुँह में ले लिया।

अब वे मेरे अंडकोषों को हाथ से सहलाते हुए मेरे लंड से खेलने लगीं। करीबन 10 मिनट बाद मुझे लगा कि मैं झड़ने वाला हूँ.. तो मैंने भी उनको सर से पकड़ कर उनके मुँह में धक्के लगाने शुरू कर दिए।

मेरे इशारे को समझते हुए उन्होंने भी अपना मुँह जोरों से ऊपर-नीचे करना चालू किया और कुछ ही पलों में मेरे लंड ने पिचकारी मार दी.. जो उनके गले के सीधे अन्दर तक गई। इससे उनको एक झटका सा लगा.. लेकिन उन्होंने खुद को फ़ौरन सम्भालते हुए मेरा सारा रस पी लिया। फिर मेरे लंड की आखिरी बूँद तक चाट कर मेरे लंड को साफ कर दिया।

इसके बाद हम दोनों ने अपने आपको बाथरूम में जाकर साफ किया और बाहर आकर कपड़े पहन कर तैयार होके जाने की तैयारी करने लगे।

उन्होंने मेरा मोबाइल नंबर ले लिया, मैंने उनका माँगा.. तो उनके मुँह पे चुपकी छा गई। मैंने भी समझते हुए उनसे कहा- कोई बात नहीं, कभी मेरी याद आए तो फ़ोन कर लेना। इसके जवाब में उन्होंने मुझे एक 'गुड-बाई' किस किया और जल्दी से कमरे से निकल गईं, मैं अपना समान बटोरने में लग गया।

जब मैं नीचे रिसेप्शन पर बिल पे करने गया.. तो मैनेजर ने मुझे एक सील पैक कवर दिया.. जिसपर सिर्फ़ मेरा नाम और कमरा नंबर लिखा था। मैंने मैनेजर से इसके बारे में पूछा तो उसने कुछ भी बताने से इंकार कर दिया।

सिर्फ़ उसने इतना बताया कि कवर देने वाली मैडम होटल छोड़ते समय ये दे गई थीं।



मैंने होटल छोड़ कर बाहर निकल कर देखा तो कवर में 1000 रु के 10 नोट थे। मैंने भी हँसते हुए उसे अपनी जेब में रख लिया और वहाँ से अपने बस स्टैंड की तरफ चल दिया।

तो दोस्तो.. इस तरह मेरे दो सपने एक साथ सच हुए। एक किसी अजनबी को चोदने का सपना और दूसरा जिगोलो बनने का सपना पूरा हुआ।

इसके बाद क्या हुआ.. क्या सुजाता जी से फिर मेरी मुलाकात हुई ?

क्या मैं औरों के साथ सेक्स कर पाया ? क्या मैं जिगोलो बन पाया ?

या फिर सब कुछ एक ही बार में खत्म हो गया ?

मेरे साथ आगे क्या हुआ.. ये जानने के लिए पढ़ते रहिए और अपने कमेंट जरूर मेल कीजिएगा।

rajushah383001@gmail.com

## Other stories you may be interested in

### यार से मिलन की चाह में तीन लंड खा लिए-2

सेक्सी हिंदी कहानी के पहले भाग में आप ने पढ़ा कि मैं फोन पर आशीष के साथ चुदाई की बातों में लगी हुई थी और इधर मेरे जीजा मेरी चूत चाटने के बाद ऊपर की ओर बढ़ आये थे. उन्होंने [...]

[Full Story >>>](#)

### टीचर की यौन वासना की तृप्ति-13

अब तक इस सेक्स कहानी में आपने पढ़ा कि नम्रता और मैं, हम दोनों अपने अपने पार्टनर के साथ रात को चुदाई कर चुके थे. नम्रता मुझे अपने पति के संग हुई चुदाई के बारे में सुनाने में लगी थी. [...]

[Full Story >>>](#)

### यार से मिलन की चाह में तीन लंड खा लिए-1

आज जो बात मैं आप लोगों को बताने जा रही हूँ यह मेरी जिंदगी की कड़वी सच्चाई है. मैं ईश्वर की सौगंध खाकर कहती हूँ कि मेरे द्वारा लिखी जा रही आपबीती इस कहानी में एक भी शब्द झूठ नहीं [...]

[Full Story >>>](#)

### मौसी की लड़की को पटा के चोदा-1

मेरा नाम कार्तिक गुप्ता है. मैं अलीगढ़ का रहने वाला हूँ. मैं अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रहा हूँ. मैं अन्तर्वासना की कहानियों को 7 सालों से पढ़ रहा हूँ. मेरी लम्बाई 5 फुट 5 इंच है. [...]

[Full Story >>>](#)

### मौसी की बेटी ने चुदाई का मजा दिया

सभी को मेरा नमस्ते, मेरा नाम राँकी है, मेरी उम्र चौबीस साल है और मैं महाराष्ट्र का रहने वाला हूँ. मैं अन्तर्वासना का रोजाना सेक्स कहानियां पढ़ लेता हूँ. मेरी ये कहानी दो साल पुरानी है. मतलब जब मैं बाइस [...]

[Full Story >>>](#)

